

**SAMPLE PAPER - 4 (SOLVED)**  
**Second Terminal Examination (2018-19)**  
**Geography (Theory)**

समय : 3 घंटे

Class : XI

पूर्णांक : 70

**सामान्य निर्देश**

- i) प्रश्नों की संख्या 22 हैं।
- ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- iii) सभी प्रश्नों के सामने उनके अंक दर्शाए गए हैं।
- iv) प्रश्न संख्या 1-7 तक अतिलघु उत्तरीय प्रत्येक प्रश्न के 1 अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 40 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
- v) प्रश्न संख्या 8-13 तक लघु उत्तरीय प्रत्येक प्रश्न के 3 अंक हैं। इनमें से एक मूल्य आधारित प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 80-100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
- vi) प्रश्न संख्या 14-20 तक दीर्घ उत्तरीय प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 150 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
- vii) प्रश्न संख्या 21 तथा 22 मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न 5-5 अंक के हैं जो क्रमशः दिए गए मानचित्र भौगोलिक लक्षणों के पहचानने, स्थिति दिखाने और नामांकन करने से सम्बन्धित हैं।
- viii) संसार और भारत के दिए गए मानचित्रों को अपनी उत्तर-पुस्तिका के बीच में अवश्य नत्थी कीजिए।
- ix) रेखा मानचित्र बनाने के लिए साँचों अथवा स्टेंसिलों के प्रयोग की अनुमति दी जाती है।

1. प्रायद्वीप की अन्य नदियों की अपेक्षा कम उतार-चढ़ाव के साथ कावेरी नदी वर्ष भर क्यों बहती है? कारण बताइए। 1
2. दुआर स्थलाकृतियाँ कहाँ पायी जाती हैं तथा ये किसके लिए प्रयोग किए गये हैं?  $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
3. नीलगिरी जीवमंडल निचय की स्थापना किस वर्ष हुई थी? 1
4. कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार, भारत के किस राज्य में 'Dfc' प्रकार की जलवायु पायी जाती है? 1
5. किन्हीं दो भीतरी ग्रहों के नाम लिखिए।  $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
6. भूकंपीय छाया क्षेत्र क्या है? 1
7. बाल्टिक सागर की लवणता कम तथा भूमध्य सागर में लवणता उच्च है। कारण दीजिए।  $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
8. मृदा अपरदन भारतीय कृषि के लिए एक गम्भीर समस्या है। किन्हीं तीन उपायों की विवेचना कीजिए जिन्हें मृदा अपरदन कम करने के लिए अपनाया जा सकता है।  $3 \times 1 = 3$

9. निम्न पदों को उनके उचित विवरण के साथ मिलाइए।  $\frac{1}{2} \times 6 = 3$
- | अ                    | ब                      |
|----------------------|------------------------|
| (i) सिंधु नदी        | (a) चूमायुँगडूंग हिमनद |
| (ii) झेलम नदी        | (b) मिलाम हिमनद        |
| (iii) सतलुज नदी      | (c) मापचाचुँगों हिमनद  |
| (iv) घाघरा नदी       | (d) बेरीनाग झरना       |
| (v) शारदा नदी        | (e) सतोपथ हिमनद        |
| (vi) ब्रह्मपुत्र नदी | (f) राक्षसताल          |
|                      | (g) सिंगी खंबान        |
10. ज्वारभाटा क्या है? ज्वारभाटा नौसंचालन को किस प्रकार प्रभावित करता है?  $1 \times 2 = 3$
11. क्रमबद्ध भूगोल उपागम का प्रतिपादन किस ने किया था? इस उपागम की किन्हीं चार विशेषताओं का वर्णन कीजिए।  $1 + 2 = 3$
12. निम्न पदों को उनके उचित विवरण के साथ मिलाइए।  $\frac{1}{2} \times 6 = 3$
- | अ                 | ब                       |
|-------------------|-------------------------|
| (i) भौमजल         | (a) V आकार घाटी         |
| (ii) पवनें        | (b) प्लाय               |
| (iii) हिमनद       | (c) भृगु                |
| (iv) प्रवाहित जल  | (d) स्वस्थाने प्रक्रिया |
| (v) तरंग व धाराएँ | (e) लैपीज               |
| (vi) अपक्षय       | (f) आकर घाटी            |
|                   | (g) U मलवे की अवप्ति    |
13. उष्ण कटिबंधीय चक्रवातों की उत्पत्ति व विकास के लिए अनुकूल दशाओं का उल्लेख कीजिए।  $3 \times 1 = 3$
14. जैव विविधता क्या है? जैव विविधता की आर्थिक तथा पारिस्थितिकीय भूमिका का वर्णन कीजिए।  $1 + 2 + 2 = 5$
15. तापमान क्या है? किसी भी स्थान पर वायु के तापमान को प्रभावित करने वाले कारकों की विवेचना कीजिए।  $1 + 4 = 5$
16. ग्रीन हाउस गैसों क्या है? वायुमंडल में उपस्थित ग्रीन हाउस गैसों में सबसे अधिक सांद्रण कौन सी गैस का है? ग्रीन हाउस गैसों के सांद्रण में वृद्धि के प्रभावों का उल्लेख कीजिए।  $1 + 1 + 3 = 5$

17. भारत को छः भू-आकृतिक खंडों में बांटा गया है। प्रायद्वीपीय पठार इनमें से एक है। इसके विशिष्ट भू-लक्षणों का वर्णन कीजिए।  $5 \times 1 = 5$
18. वन प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से आर्थिक व सामाजिक लाभ पहुँचाते हैं। मानवीय विकास में वनों के संरक्षण की भूमिका स्पष्ट कीजिए।  $5 \times 1 = 5$
19. भारत में बाढ़ विस्तृत क्षेत्र में आती है, जिससे होने वाले नुकसान अधिक हैं। बाढ़ के नियन्त्रण या इसके प्रभावों को कम करने के लिए कौन से महत्वपूर्ण कदम उठाने चाहिए?  $5 \times 1 = 5$
20. मानसून प्रस्फोट तथा मानसून विच्छेद क्या हैं? भारत में विभिन्न क्षेत्रों में मानसून विच्छेद के क्या कारण हैं? विवेचना कीजिए।  $1 + 1 + 3 = 5$
21. संसार के दिए गए रेखा मानचित्र में पाँच भौगोलिक लक्षण A, B, C, D और E के द्वारा दर्शाये गये हैं। इन लक्षणों को नीचे दी गई जानकारी की सहायत से पहचानिए और उनके सही नाम निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए।  $5 \times 1 = 5$
- A – एक विवर्तनिक प्लेट  
B – एक महासागरीय जलधारा  
C – पारिस्थितिकी हॉट-स्पॉट  
D – एक महासागर  
E – एक महाद्वीप

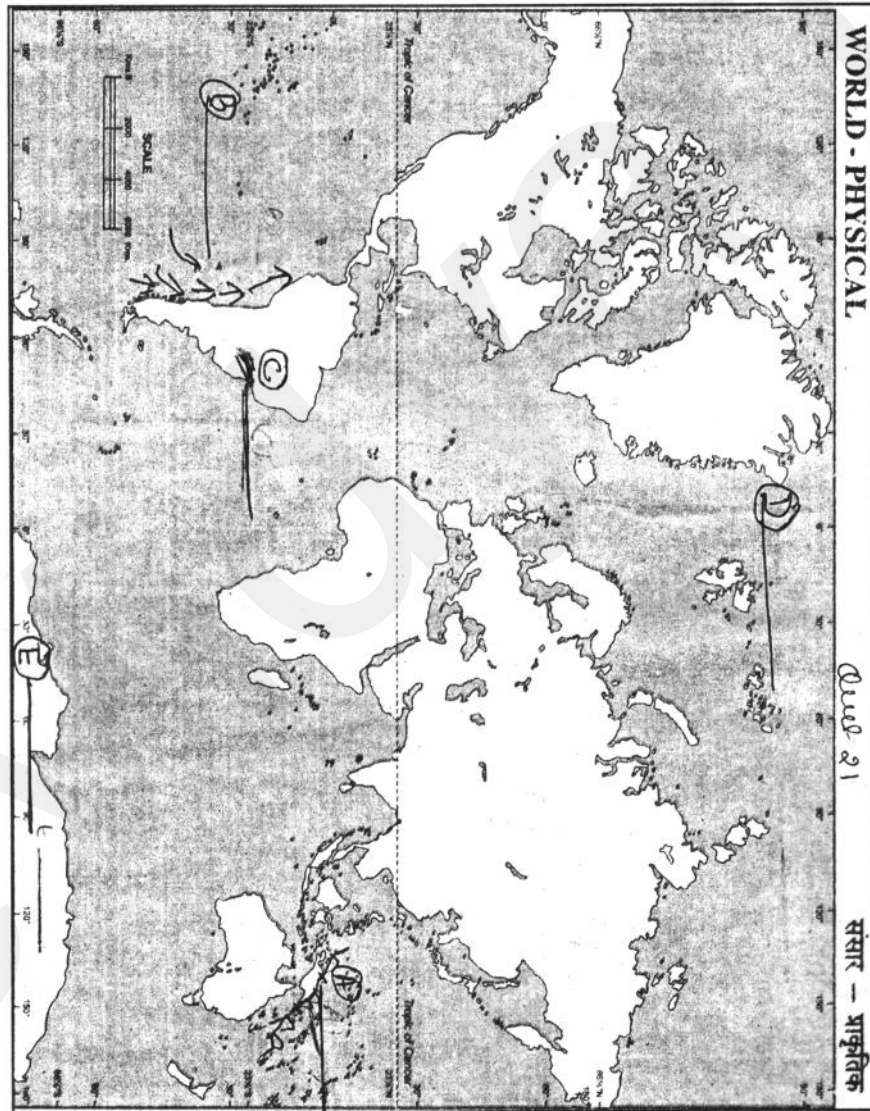
**नोट :** (निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 21 के स्थान पर है।)

- 21.1 एक विवर्तनिक प्लेट का नाम लिखिए जो फिलिपिन व इंडियन प्लेट के बीच स्थित है।
- 21.2 दक्षिण अमेरिका के पश्चिमी तट के साथ बने वाली ठंडी धारा का नाम लिखिए।
- 21.23 ब्राजी के परिस्थिति की हॉट-स्पॉट का नाम लिखिए।
- 21.4 विश्व के सबसे छोटे महासागर का नाम लिखिए।
- 21.5 दक्षिणतम महाद्वीप का नाम लिखिए जो हिम से ढका हुआ है।
22. भारत के दिए गए भौतिक मानचित्र में निम्नलिखित की स्थिति उपयुक्त चिन्हों से दिखाइये और उनके नाम लिखिए।  $5 \times 1 = 5$
- (i) मानस जीवमंडल निचय  
(ii) जलोढ़ मृदा के क्षेत्र  
(iii) रबेपी जलवायु प्रदेश (Bshw)  
(iv) अंडमान और निकोबार द्वीप समूह  
(v) पश्चिमी घाट

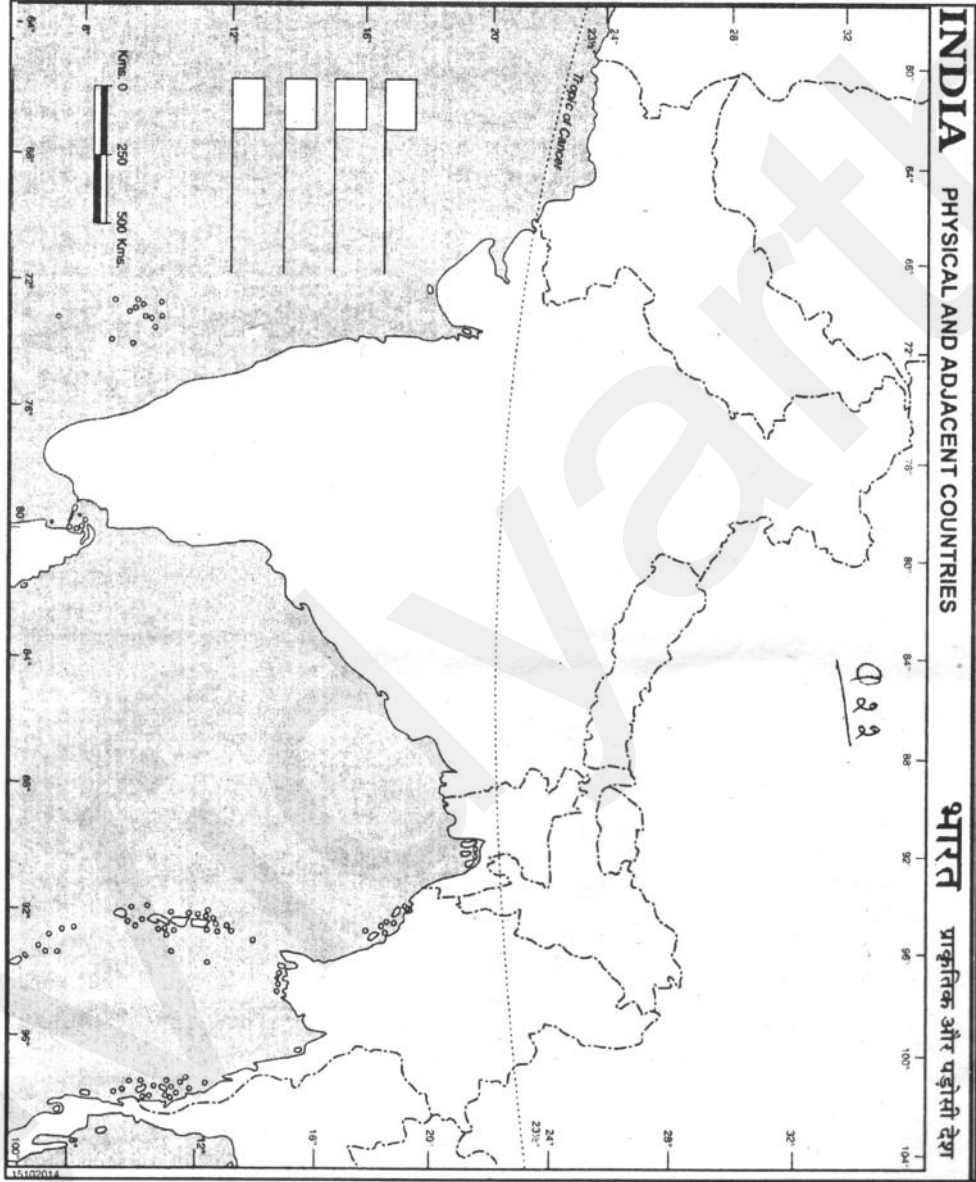
नोट : (निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 22 के स्थान पर है।)

- 22.1 असम के जीवमंडल निचय का नाम लिखिए।
- 22.2 उत्तर भारत की सर्वाधिक उपजाऊ मृदा का नाम लिखिए।
- 22.3 उत्तर-पश्चिमी गुजरात में पाई जाने वाली जलवायु के प्रकार का नाम लिखिए।
- 22.4 बंगाल की खाड़ी में स्थित द्वीप समूह का नाम लिखिए।
- 22.5 'सहयाद्रि' के लिए अन्य शब्द का नाम लिखिए।

Q. No. 21.



Q. No. 22.



# MARKING SCHEME SAMPLE PAPER - 4

## Subject : Geograpy

Time : 3 Hrs.

Class :XI

M.M.: 70

- Section - A
1. ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में दक्षिण-पश्चिम मानसून ( गर्मी ) से और निम्न क्षेत्रों में उत्तर - पूर्वी मानसून ( सर्दी ) से वर्षा होती है। 1  
पृ. सं - 28 पा. पु. II
  2. दुआर स्थलाकृतियाँ दार्जिलिंग और सिक्किम हिमालय में पाई जाती है, तथा इनका उपयोग चाय बागान लगाने के लिए किया गया है। 1  
 $\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$   
पृ. सं 13 - पा. पु. II
  3. वर्ष 1986 में 1  
पृ. सं 66, पा. पु. II
  4. "Dfc" प्रकार की जलवायु अरूणाचल प्रदेश में पाई जाती है। 1  
पृ. सं 57, पा. पु. II
  5. भीतरी ग्रह - बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल ( कोई दो )  $\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$  1  
पृ. सं - 16 पा. पु. I
  6. भूपटल का वह भाग, ( क्षेत्र ) जहाँ कोई भी भूकम्पीय तरंग भूकम्पमापी पर अभिलेखित नहीं होती, उस क्षेत्र को भूकम्पीय छाया क्षेत्र कहते हैं। 1  
पृ. सं - 24 पा. पु. I
  7. बाल्टिक समुद्र की लवणता कम होती है, क्योंकि इसमें बहुत अधिक मात्रा में नदियों का पानी प्रवेश करता है, जबकि भूमध्यसागर में उच्च वाष्पीकरण के कारण लवणता अधिक है।  $\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$  1  
पृ. सं - 124, पा. पु. I
  8. i) वृक्षारोपण ii) समोच्चरेखाओं के अनुसार मेड़बन्दी  
iii) पशुचारण पर नियंत्रण iv) कृषि के सही तरीके  
v) आपसी सहयोग vi) जैविक खेती का विकास (कोई तीन) 1/2 x 6 3  
( अ ) ( ब )
  9. (i) सिंधु नदी (g) सिंगी खंबान  
(ii) झेलम नदी (d) वेरी नाग झरना  
(iii) सतलुज नदी (f) राक्षस ताल  
(iv) घाघरा नदी (c) माप चाचुंगी हिमनद  
(v) शारदा नदी (b) मिलांम हिमनद  
(vi) ब्रह्मपुत्र नदी (a) चेमपुंग डुंग हिमनद
  10. चन्द्रमा एवं सूर्य के आकर्षण के कारण दिन में एक बार या दो बार समुद्र तल का नियतकालिक उठना या गिरना ज्वारभाटा कहलाता है।  
नौ संचालन पर प्रभाव :- 1+2 3  
(i) नौसंचालको को कार्य संबंधी योजनाओं में मदद करता है। नौसंचालन में ज्वारीय प्रभाव महत्त्वपूर्ण है।  
(ii) ज्वार की उँचाई बहुत अधिक महत्त्वपूर्ण है विशेषकर ऐसे पोताश्रय के लिए जो नदियों के किनारों पर एवं ज्वार नद मुख के भीतर, जहाँ प्रवेश द्वार छिछले रोधिका होते हैं।  
( अन्य सम्बन्धित बिन्दु ) ( कोई दो )  
पृ. सं. 128, 130 पा. पु. I
  11. क्रमबद्ध भूगोल उपगागम का प्रतिपादन अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट में किया। 1+2 3  
विशेषताएँ :-  
(i) एक तथ्य का पूरे विश्वस्तर पर अध्ययन किया जाता है।  
(ii) क्षेत्रीय स्वरूप के वगीकृत प्रकारों पहचान की जाती है।  
(iii) यह विधि राजनीतिक इकाइयों पर आधारित होती है।  
(iv) यह अध्ययन, खोज व तथ्यों को प्रस्तुत करती है।  
पृ. सं 7 पा. पु. I
  12. (i) भौमजल (e) लैपीज  $\frac{1}{2} \times 6$  3  
(ii) पवनें (b) प्लाया  
(iii) हिमनद (f) U आकार की घाटी  
(iv) प्रवाहित जल (a) V आकार की घाटी  
(v) तरंग व धाराएँ (c) भूपु  
(vi) अपक्षय (d) स्वस्थाने प्रक्रिया

13. उष्ण कटिबंधीय चक्रवात के उत्पन्न होने की अनुकूल दशाएँ 3x1 3
- (i) वृहत् समुद्री सतह, जहाँ तापमान 27° से अधिक हो।  
(ii) कोरिऑलिस बल का होना  
(iii) ऊर्ध्वाधर पवनों की गति में अंतर कम होना  
(iv) कमजोर निम्न दाब क्षेत्र या निम्न स्तर का चक्रवातीय परिसंचरण का होना  
(v) समुद्री तल तंत्र पर ऊपरी अपसरण
- (कोई तीन)
- पृ. सं - 100 - पा. पु. I
14. किसी निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में पाए जाने वाले जीवों की संख्या और उनकी विविधता को जैव विविधता कहते हैं। 1+2+2 5
- आर्थिक भूमिका :-  
(i) जैव विविधता संसाधनों के भंडार है जिनसे औषधियाँ, सौंदर्य प्रसाधन आदि बनाए जाते हैं।  
(ii) खाद्य फसले, मत्स्य संसाधन आदि आर्थिक महत्व के उत्पाद प्राप्त होते हैं।  
(अन्य सम्बन्धित बिन्दु) (कोई दो)
- पारिस्थिकीय भूमिका :-  
(i) जैव विविधता जल व पोषक तत्वों के चक्र को बनाए रखने में सहायक हैं।  
(ii) जलवायु नियंत्रण में सहायक है।  
(iii) पारितंत्र को स्थायी रखने में सहायक हैं।  
(अन्य सम्बन्धित बिन्दु) (कोई दो)
- पृ. सं - 145, पा. पु. I
15. (a) वायुमंडल एवं भू पृष्ठ के साथ सूर्यताप की अन्योन्य क्रिया द्वारा जनित उष्मा तापमान के रूप में मापा जाता है, तापमान किसी पदार्थ या स्थान के गर्म या ठंडा होने का डिग्री में माप है। 1+4=5
- (b) वायु के तापमान को प्रभावित करने वाले कारक :-  
(i) अक्षांश - सूर्यताप की मात्रा में अक्षांश के अनुसार भिन्नता पाई जाती है इसलिए तापमान में भी भिन्नता पाई जाती है।  
(ii) उत्तुंगता - वायुमंडल पार्थिव विकिरण के द्वारा नीचे की परतों में पहले गर्म होता है, इसलिए समुद्र तल के पास स्थानों पर तापमान अधिक तथा ऊँचे भाग में स्थित स्थानों पर तापमान कम होता है।  
(iii) समुद्र से दूरी :- स्थल की अपेक्षा समुद्र धीरे-धीरे गर्म और धीरे धीरे ठंडा होता है। स्थल जल्दी गर्म और जल्दी ठंडा होता है। समुद्र के ऊपर स्थल की अपेक्षा तापमान में भिन्नता कम होती है। समुद्र व स्थली समीर का सामान्य प्रभाव, तापमान सम रहता है।  
(iv) महासागरीय धाराएँ वायु संहति :- ठंडी महासागरीय धारा के प्रभाव में आने वाले तटों की अपेक्षा गर्म महासागरीय धारा के प्रभाव में आने वाले तटों का तापमान अधिक होता है इसी प्रकार कोष्ण वायु संहतियों से प्रभावित स्थानों पर तापमान अधिक, शीत वायु से संहतियों से प्रभावित स्थानों का तापमान कम होता है।  
(अन्य सम्बन्धित बिन्दु) (कोई चार)
- पृ. सं 88 पा. पु. I
16. (a) वे गैसें जो विकिरण की दीर्घ तरंगों का अवशोषण करती हैं, ग्रीन हाउस गैसें कहलाती हैं। 1+1+3 5  
(b) वायुमंडल में उपस्थित ग्रीन हाउस गैसों में सबसे अधिक सांद्रण कार्बनडाइऑक्साइड का है।  
(c) ग्रीन हाउस गैसों के सांद्रण में वृद्धि के प्रभाव :-  
(i) इससे पृथ्वी के तापमान में वृद्धि हो सकती है। जिससे भूमंडलीय ऊष्मान हो सकता है।  
(ii) हिम नदियों व हिम टोपियों के पिघलने से ऊँचा उठा समुद्री जल स्तर समुद्र का उष्मीय विस्तार तटीय क्षेत्रों, द्वीपों को आप्लावित कर सकता है।  
(iii) जीवन पोषक तंत्र पर कुप्रभाव पड़ सकता है।  
(अन्य सम्बन्धित बिन्दु) (कोई तीन)
- पृ. सं - 114, 115, - पा. पु. I
17. प्रायद्वीपीय पठार की विशेषताएँ - 5x1 5
- (i) प्रायद्वीपीय पठार तिकोने आकार वाला कटा-फटा भूखंड है।  
(ii) यह मुख्यतः प्राचीन नीस व ग्रेनाइट से बना है।

- (iii) यह प्राचीनतम भूखंड है, जिसकी औसत ऊँचाई 600 से 900 मीटर है।  
 (iv) यह अनेक पठारों से मिलकर बना है जैसे हजारीबाग पठार, पालायु, रांची पठार, मालवा पठार आदि।  
 (v) प्रायद्वीप की ऊँचाई पश्चिम से पूर्व को कम होती चली जाती है।  
 (iv) मुख्य प्राकृतिक स्थलाकृतियों में टॉर, ब्लॉक, पर्वत, भ्रंश घाटियाँ पर्वत स्कंध, नग्न चट्टान संरचना, क्वार्टजाइट भित्ति या शामिल है।  
 (vii) पठार के पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी भाग में काली मिट्टी पायी जाती है।  
 (अन्य सम्बन्धित बिन्दु) (कोई पाँच)

प्र. सं 16 पा. पु. II

18. मानवीय विकास में वनों के संरक्षण की भूमिका :- 5x1 5
- (i) वन पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने में सहायक है।  
 (ii) देश की प्राकृतिक धरोहर, जैव विविधता का संरक्षण करते हैं  
 (iii) अनेक लोगों के लिए आवास, रोजी-रोटी के साधन हैं।  
 (iv) मृदा अपरदन को रोकने में सहायक जिससे मृदा उत्पादकता बनी रहती है।  
 (v) बाढ़ व सूखा रोकने में सहायक  
 (vi) स्थानीय लोगों को ईंधन, चारा और इमारती लकड़ी प्रदान करने के स्रोत है।  
 (अन्य सम्बन्धित बिन्दु) (कोई पाँच)  
 पु. सं - 64 - पा. पु. II
19. बाढ़ नियन्त्रण / प्रभावों को कम करने के लिए उपाय (कदम) 5x1 5
- (i) बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में तटबंध बनाना  
 (ii) नदियों पर बाँध बनाना  
 (iii) वनीकरण  
 (iv) नदियों के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में निर्माण कार्य पर प्रतिबन्ध लगाना  
 (v) नदी वाहिकाओं पर बसे लोगों को कहीं और बसाना  
 (vi) बाढ़ के मैदानों में जनसंख्या के जमाव पर नियन्त्रण रखना  
 (vii) तटीय क्षेत्रों में चक्रवात सूचना केन्द्र स्थापित करना (कोई पाँच)
20. मानसून प्रस्फोट :- द. प. मानसून की ऋतु में वर्षा अचानक शुरू हो जाती है। जिससे तापमान में भारी गिरावट होती है। प्रचंड गर्जन, बिजली की कड़क के साल अप्रिता भी पवनों का चलना, मानसून का प्रस्फोट कहलाता है। 1+1+3 5  
 मानसून विच्छेद :- दक्षिण - पश्चिम मानसून काल में एक बार कुछ दिनों तक वर्षा होने के बाद यदि एक-दो या कई सप्ताह तक वर्षा न हो तो मानसून विच्छेद कहा जाता है।  
 मानसून विच्छेद के कारण :-  
 (i) उत्तरी भारत में उष्ण कटिबंधीय चक्रवातों की संख्या कम हो जाने से और अंतः उष्ण कटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र की स्थिति में बदलाव से मानसून विच्छेद होता है।  
 (ii) पश्चिमी तट पर आर्द्र पवनों के तट के समानांतर बहने से  
 (iii) राजस्थान में वायुमंडल के निम्न स्तरों पर तापमान की विलोमता वर्षा करने वाली आर्द्र पवनों को ऊपर उठाने से रोक देती है।
21. विश्व मानचित्र (सलगन) हैं। 5x1 5  
 (दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए)  
 (A) कैरोलिन प्लेट  
 (B) हम्बोल्ट धारा  
 (C) अटलांटिक वन (ब्राजील)  
 (D) आर्कटिक महासागर  
 (E) अंटार्कटिका महाद्वीप
22. भारत का मानचित्र सलगन है। 5x1 5  
 (दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए उत्तर)  
 (i) मानस / डिब्रू - साईकोवा  
 (ii) जलोढ मृदा  
 (iii) अर्धशुष्क स्टेपी जलवायु  
 (iv) अंडमान और निकोबार द्वीप समूह  
 (v) पश्चिमी घाट



